राज्यपाल सचिवालय
राजभवन, जयपुर

राज्यपाल श्री कल्याण सिंह की घोषणा

लोक कलाओं को बढ़ावा देने के लिए पुरस्कार

- **पदमश्री '' श्री कोमल कोठारी '' के नाम पर होगा पुरस्कार**
- **2 लाख 51 हजार की नगद राशि के साथ रजत पट्टिका**

जयपुर, 21 दिसम्बर। राज्यपाल श्री कल्याण सिंह ने कहा है कि '' श्री कोमल कोठारी जैसे व्यक्तित्व को श्रद्वांजली के रूप में एवं उनके योगदान को चिरस्थायी बनाए रखने व उनसे प्रेरणा लेने हेतु मैं ''कोमल कोठारी लोक कला लाईफ टाईम एचीवमेन्ट अवार्ड'' की घोषणा करता हूँ। ''

राज्यपाल श्री सिंह ने बुधवार को उदयुपर में पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र के शिल्पग्राम उत्सव का उद्घाटन किया।

राज्यपाल श्री सिंह ने कहा है कि '' यह आयोजन लोक कलाओं से जुड़ा हुआ है। राजस्थानी लोक कलाओं को संरक्षित करनें वाले महान कलाकार ''स्वर्गीय श्री कोमल कोठारी जी'' को याद किये बिना यह आयोजन अधूरा रहेगा।

केन्द्र के अध्यक्ष एवं राज्यपाल श्री सिंह ने कहा है कि '' लोक कलाओं के संरक्षण, संवर्धन व परिवर्धन को बढ़ावा देने एवं उत्तरजीविता को बनाये रखने में अतुल्य योगदान करने वाले एक व्यक्ति को यह पुरस्कार प्रतिवर्ष इसी दिन यानि 21 दिसम्बर को पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र द्वारा दिया जावेगा। ''

राज्यपाल ने कहा है कि इस पुरस्कार हेतु क्या प्रक्रिया अपनाई जायेगी, कौन लोग पात्र होंगे, इसके सम्बन्ध में निदेशक, पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र गाईडलाईन बनाकर मेरे समक्ष अनुमोदन हेतु एक माह में प्रस्तुत करेंगे। यह पुरस्कार पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र के अधीन आने वाले सभी राज्यों के लोक कलाओं से जुड़े व्यक्तियों को मिल सकता है। पश्चिम क्षेत्र सहित देश में सात सांस्कृतिक केन्द्र है। यह सांस्कृतिक केन्द्र लोक कलाओं को संरक्षित करनें हेतु इस प्रकार का पुरस्कार प्रदान करने वाला देश का प्रथम सांस्कृतिक केन्द्र होगा।

उल्लेखनीय है कि ''कोमल दा'' के नाम से मशहूर श्री कोठारी जी ने लोक कलाओं को संरक्षित करने में अभूतपूर्व योगदान रहा। वर्ष 1960 में रूपायन संस्थान स्थापित की। श्री कोठारी को लोक कला के क्षेत्र में योगदान हेतु वर्ष 1983 में ''पद्म श्री'', वर्ष 1986 में ''संगीत नाट्य फैलोशिप अवार्ड'', वर्ष 2000 में ''प्रिन्स क्लॉज अवार्ड'', वर्ष 2004 में ''पद्म भूषण'' और राजस्थान रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

— — —